साहित्यकार निर्मोही 'साहित्य अकादेमी पुरस्कार 2021' से समादृत

हुक्मनामा समाचार

जोधपुर। साहित्य अकादेमी,नई दिल्ली की ओर से नई दिल्ली स्थित 'कमानी सभागार' में सुप्रतिष्ठ मराठी लेखक,कवि एवं आलोचक भालचंद्र नेमाडे के मुख्य आतिथ्य में साहित्य अकादेमी पुरस्कार 2021 अर्पण समारोह सम्पन्न हुआ।

समारोह में 24 भाषाओं के पुरस्कार विजेता साहित्यकारों में शामिल राजस्थानी और हिन्दी के सुप्रतिष्ठ कवि, कथाकार आलोचक, संपादक, तथा अनुवादक मीठेश निर्मोही को उनकी राजस्थानी काव्य कृति 'मुगती' के लिये साहित्य अकादेमी पुरस्कार से समादृत किया गया । समारोह में अकादेमी के सचिव के.श्रीनिवासराव ने निर्मोही के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को रेखांकित कर, अकादेमी के उपाध्यक्ष डॉ. माधव कौशिक ने माल्यर्पण कर तथा अध्यक्ष डॉ. चन्द्रशेखर कंबार ने मीठेश निर्मोही को साहित्य अकादेमी की ओर से शॉल, प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार स्वरूप एक लाख रुपये की राशि का डी. डी. भेंट किया ।

ज्ञातव्य रहे कि मीठेश निर्मोही जोधपुर विश्वविद्यालय, जोधपुर से प्रथम श्रेणी से दर्शन शास्त्र में एम .ए तथा जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय ,जोधपुर से प्रथम श्रेणी प्रथम स्थान (दो गोल्ड मेडल) से राजस्थानी साहित्य में एम.ए. हैं । आप राजस्थानी भाषा के संवैधानिक मान्यता के आन्दोलन से भी सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं । आपने राजस्थानी साहित्यिक त्रैमासिक पत्रिका 'आगूंच' का वर्षों तक संपादन भी किया है।

आपके राजस्थानी में 'आपै रै ओळै ओळै-दोळै' तथा 'मुगती' (कविता संग्रह), अमावस, एकम अर चांद (कहानी संग्रह), आधुनिक राजस्थानी कवितावां, आज री राजस्थानी कहांणियां, तथा राजस्थानी साहित्य पद्य संग्रह (संपादित) और हिन्दी में 'चेहरों की तख्तियों पर' एवं ' चिड़िया भर शब्द' (कविता संग्रह) तथा 'शब्द की संगत' (संपादित कविता संग्रह) प्रकाशित हैं इन पुस्तकों के अतिरिक्त राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर, राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली तथा नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली आदि से प्रकाशित 46 संकलनों में आपकी कविताएं, कहानियां और अन्य रचनाएं संकलित हैं ।

निर्मोही को साहित्य अकादमी पुरस्कार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जोधपुर. साहित्य अकादेमी की ओर से नई दिल्ली स्थित कमानी सभागार में मराठी लेखक, कवि एवं आलोचक भालचंद्र नेमाड़े के मुख्य आतिथ्य में साहित्य अकादमी पुरस्कार 2021 समारोह सम्पन्न हुआ । समारोह में 24 भाषाओं के पुरस्कार विजेता साहित्यकारों में शामिल राजस्थानी और हिन्दी के कवि, कथाकार, आलोचक मीठेश निर्मोही को राजस्थानी काव्य कृति 'मुगती' के लिए साहित्य अकादेमी पुरस्कार दिया गया। सचिव के. श्रीनिवासराव ने निर्मोही के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को रेखांकित कर, अकादेमी के उपाध्यक्ष डॉ. माधव कौशिक ने माल्यर्पण कर तथा अध्यक्ष डॉ . चन्द्रशेखर कंबार ने शॉल, प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार स्वरूप एक लाख रुपये की राशि का डीडी भेंट किया।

निर्मोही साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित

जोधपुर, 16 मार्च (कासं)। साहित्य अकादेमी,नई दिल्ली की ओर से नई दिल्ली स्थित कमानी सभागार में सुप्रतिष्ठ मराठी लेखक,कवि एवं आलोचक भालचंद्र नेमाडे के मुख्य आतिथ्य में साहित्य अकादेमी पुरस्कार 2021 अर्पण समारोह सम्पन्न हुआ।

समारोह में 24 भाषाओं के पुरस्कार विजेता साहित्यकारों में शामिल राजस्थानी और हिन्दी के सुप्रतिष्ठ कवि,कथाकार आलोचक, संपादक, तथा अनुवादक मीठेश निर्मोही को उनकी राजस्थानी काव्य कृति मुगती के लिये साहित्य अकादेमी पुरस्कार से समादृत किया गया।

समारोह में अकादेमी के सचिव के.श्रीनिवासराव ने निर्मोही के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को रेखांकित कर, अकादेमी के उपाध्यक्ष डॉ. माधव कौशिक ने माल्यर्पण कर तथा अध्यक्ष डॉ. चन्द्रशेखर कंबार ने मीठेश निर्मोही को साहित्य अकादेमी की ओर से शॉल, प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार स्वरूप एक लाख रुपये की राशि का डी. डी. भेंट किया।

कवि कथाकार मीठेश निर्मोही साहित्य अकादेमी, पुरस्कार 2021 से समादृत

मरुलहर न्यूज

पाली। साहित्य अकादेमी,नई दिल्ली की ओर से नई दिल्ली स्थित कमानी सभागार में सुप्रतिष्ठ मराठी लेखक, कवि एवं आलोचक भालचंद्र नेमाडे के मुख्य आतिथ्य में साहित्य अकादेमी पुरस्कार 2021 अर्पण समारोह सम्पन्न हुआ । समारोह में 24 भाषाओं के पुरस्कार विजेता साहित्यकारों में

शामिल राजस्थानी और हिन्दी के सुप्रतिष्ठ कवि, कथाकार आलोचक, संपादक तथा अनुवादक मीठेश निर्मोही को उनकी राजस्थानी काव्य कृति %मुगती% के लिये साहित्य अकादेमी पुरस्कार से समादृत किया गया। समारोह में अकादेमी के सचिव के.श्रीनिवासराव ने निर्मोही के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को रेखांकित कर अकादेमी के उपाध्यक्ष डॉ. माधव कौशिक ने माल्यर्पण कर तथा अध्यक्ष डॉ चन्द्रशेखर कंबार ने मीठेश निर्मोही को साहित्य अकादेमी की ओर से शॉल, प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार स्वरूप एक लाख रुपये की राशि का डी. डी. भेंट किया। ज्ञातव्य रहे कि मीठेश निर्मोही जोधपुर विश्वविद्यालय, जोधपुर से प्रथम श्रेणी से दर्शन शास्त्र में एम ए तथा जय नारायण व्यास विश्व विद्यालय जोधपुर से प्रथम श्रेणी प्रथम स्थान (दो गोल्ड मेडल) से राजस्थानी साहित्य में एम ए हैं। राजस्थानी भाषा के संवैधानिक मान्यता के आन्दोलन से भी सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। इन्होंने राजस्थानी साहित्यिक त्रैमासिक पत्रिका आगूंच का वर्षों तक संपादन भी किया है।

साहित्यकार मीठेश 'निर्मोही' साहित्य अकादमी पुरस्कार-2021 से सम्मानित

सिटी रिपोर्टर | जोधपुर

साहित्य अकादमी, नई दिल्ली की ओर से नई दिल्ली स्थित कमानी सभागार में सुप्रतिष्ठ मराठी लेखक, कवि एवं आलोचक भालचंद्र नेमाडे के मुख्य आतिथ्य में साहित्य अकादमी पुरस्कार 2021 समारोह आयोजित किया गया। समारोह में 24 भाषाओं के पुरस्कार विजेता साहित्यकारों में शामिल राजस्थानी और हिंदी के सुप्रतिष्ठ कवि, कथाकार आलोचक, संपादक एवं अनुवादक मीठेश निर्मोही को उनकी राजस्थानी काव्यकृति 'मुगती' के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। समारोह में अकादमी सचिव के. श्रीनिवासराव ने निर्मोही के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को रेखांकित किया। अकादमी के उपाध्यक्ष डॉ. माधव कौशिक ने

समारोह में निर्मोही को सम्मानित किया।

माल्यर्पण, अध्यक्ष डॉ. चन्द्रशेखर कंबार ने निर्मोही को साहित्य अकादमी की ओर से शॉल, प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार स्वरूप एक लाख रुपए की राशि भेंट की।

उल्लेखनीय है कि मीठेश निर्मोही जोधपुर विश्वविद्यालय से प्रथम श्रेणी से दर्शन शास्त्र में एमए एवं जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर से प्रथम श्रेणी प्रथम स्थान (दो गोल्ड मेडल) से राजस्थानी साहित्य में एमए हैं। निर्मोही राजस्थानी भाषा के संवैधानिक मान्यता के आन्दोलन से भी सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। निर्मोही की राजस्थानी में "आपै रै ओळै ओळै-दोळै " तथा "मुगती" (कविता संग्रह), अमावस, एकम अर चांद (कहानी संग्रह), आधुनिक राजस्थानी कवितावां, आज री राजस्थानी कहांणियां, तथा राजस्थानी साहित्य पद्य संग्रह (संपादित) और हिंदी में "चेहरों की तख्तियों पर " एवं " चिड़िया भर शब्द " (कविता संग्रह) तथा " शब्द की संगत " (संपादित कविता संग्रह) प्रकाशित हैं। इन पुस्तकों के अतिरिक्त राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर, राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली तथा नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली आदि से प्रकाशित 46 संकलनों में उनकी कविताएं कहानियां और अन्य रचनाएं संकलित हैं।